वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 307 गुरुवार 9 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट का किया निरीक्षण

परियोजना के कार्य गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समयावधि में हो पूर्ण: भजनलाल

परियोजना से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को मिलेगा पर्याप्त जल

प्रदेश की 40 प्रतिशत आबादी होगी लाभांवित

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को बूंदी जिले की इंद्रगढ़ तहसील स्थित गुहाटा गांव पहुंचकर राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना राज्य सरकार की अति महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस परियोजना के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा तथा प्रदेश की लगभग 40 फीसदी आबादी इससे लाभांवित होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना में गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो। शर्मा ने कहा कि चम्बल एक्वाडक्ट राम जल सेतु लिंक परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक है, ऐसे में अधिकारी निर्माणाधीन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने परियोजना की प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति की पूरी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चम्बल एक्वाडक्ट कोटा के पीपल्दा समेल गांव तथा बूंदी के गुहाटा गांव के मध्य चम्बल नदी पर बनाया जा रहा है। इसकी लंबाई 2 हजार 280 मीटर है। मुख्यमंत्री को अधिकारियों ने बताया कि एक्वाडक्ट का निर्माण 5060 पाइलों एवं 77 पाइल कैपों पर किया जाएगा। एक्वाडक्ट में औसतन 384 गोलाकार पीयरों का निर्माण होगा। साथ ही, इसके जरिए चम्बल नदी के ऊपर जल का प्रवाह किया जाकर चम्बल नदी को क्रॉस किया जाएगा जिससे आमजन के लिए आवागमन की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी।

पौधारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया

इस अवसर पर शर्मा ने एक्वाडक्ट पीयर का पूजन किया। उन्होंने प्रोजेक्ट साइट पर राम जल सेतु लिंक परियोजना के निर्माण कार्यों को लेकर तैयार की गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इससे पहले शर्मा ने पौधारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित परियोजना से जुड़े अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

अहिंसा नगरी जयपुर की पहचान यहाँ के
वैभवशाली और प्राचीन जिनालय

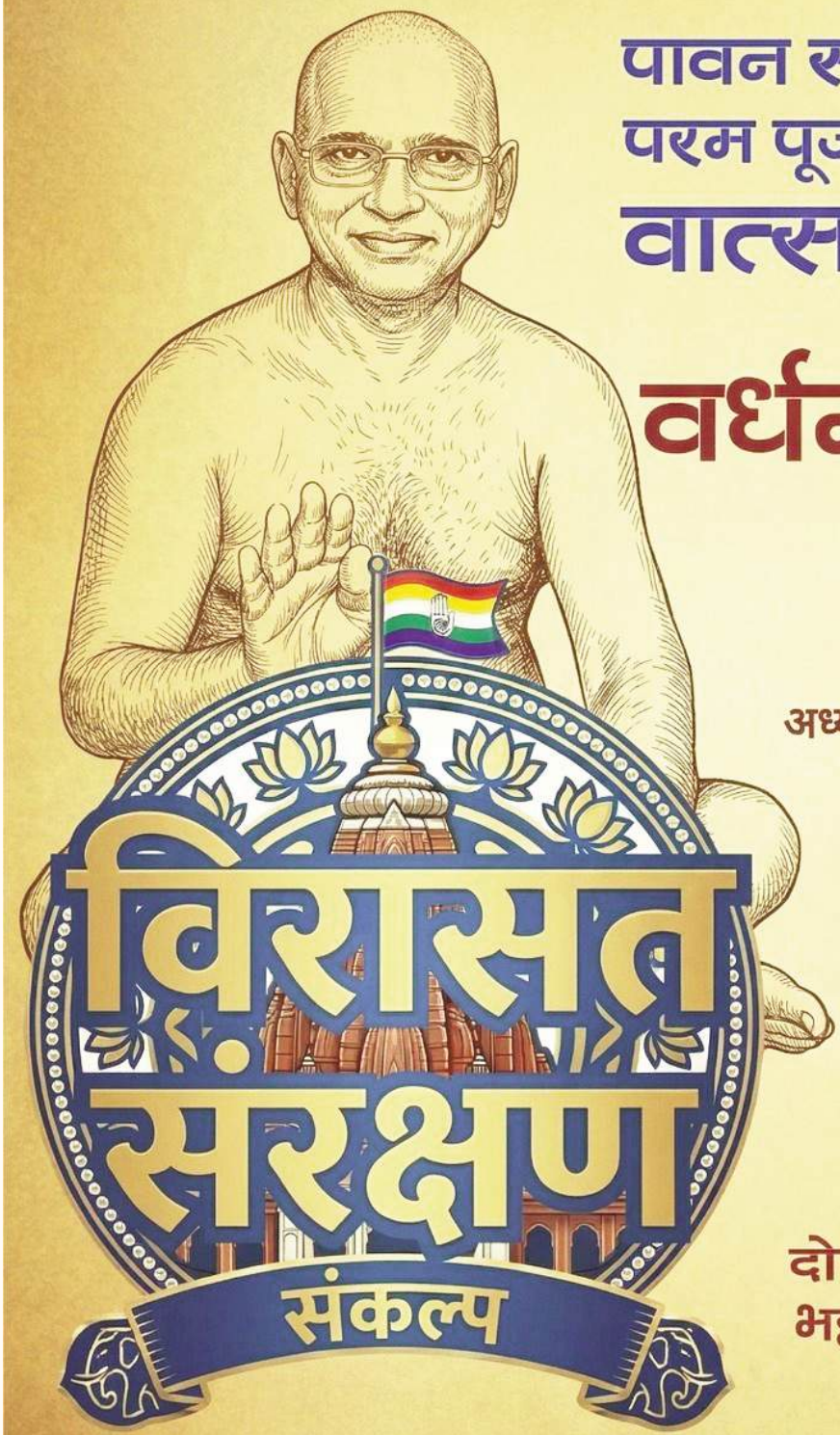

पावन सान्निध्य
परम पूज्य
वात्सल्य वारिधि
आचार्य श्री 108
वर्धमानसागर
जी महाराज

विशेष आग्रह:
समस्त दिगंबर जैन मंदिरों के
अध्यक्ष-मंत्री एवं पदाधिकारीगण
सहित समाज के महानुभाव
इस बैठक में
अनिवार्य रूप से पधारें।

विरासत संरक्षण संकल्प

9 गुरुवार, अप्रैल, 2026
दोपहर 1.00 बजे
भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

निवेदक
प्रबन्धकारिणी कमेटी, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी
श्री दिगम्बर जैन मन्दिर महासंघ, जयपुर

विश्व धरोहर सूची में जैन धरोहरों को भी स्थान मिले

विश्व धरोहर दिवस, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस भी कहा जाता है, प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 1982 में **International Council on Monuments and Sites** द्वारा की गई थी और बाद में वठएरउड ने इसे वैश्विक मान्यता प्रदान की। इस दिवस का उद्देश्य मानव सभ्यता की सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आज विश्व में लगभग 1200 धरोहर स्थल सूचीबद्ध हैं, जबकि भारत में वर्तमान में 42 विश्व धरोहर स्थल हैं, जो हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। भारत की धरोहरों में जैन परंपरा का विशेष स्थान है। जैन धर्म अत्यंत प्राचीन है और इसके सिद्धांत–अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह और आत्मसंयम–न केवल धार्मिक जीवन को, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन को भी दिशा प्रदान करते हैं। जैन धरोहर स्थल केवल पूजा के स्थान नहीं हैं, बल्कि वे तप, त्याग, ज्ञान और कला के केंद्र हैं। इन स्थलों की विशेषता यह है कि यहाँ आध्यात्मिकता और स्थापत्य कला का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। संपूर्ण देश में प्रत्येक राज्य में अति प्राचीन जैन तीर्थ स्थल एवं धरोहरें विद्यमान हैं, जिन्हें विश्व धरोहर सूची में सम्मिलित किया जा सकता है। इसके लिए सार्थक प्रयास किए जाने आवश्यक हैं। उदाहरणस्वरूप कुछ प्रमुख स्थलों का उल्लेख किया जा रहा है, जिन्हें आसानी से यूनेस्को के मानकों में शामिल किया जा सकता है। कर्नाटक में स्थित श्रवणबेलगोला जैन धरोहरों में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहाँ भगवान बाहुबली की 57 फीट ऊँची एकाश्म प्रतिमा स्थित है, जिसका निर्माण 981 ईस्वी में हुआ था। यह प्रतिमा एक ही पत्थर से निर्मित है और त्याग, वैराग्य एवं आत्मविजय का प्रतीक है। यहाँ प्रत्येक 12 वर्ष में महामस्तकाभिषेक का भव्य आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। राजस्थान के दिलवाड़ा जैन मंदिर जैन स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरणों में से एक हैं। 11वीं से 13वीं शताब्दी के बीच निर्मित इन मंदिरों की संगमरमर की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सुंदर है कि पत्थर भी जीवंत प्रतीत होता है। गुजरात का शत्रुंजय पहाड़ी (पालिताना) जैन धर्म का अत्यंत पवित्र स्थल है। यहाँ लगभग 863 से अधिक मंदिर एक ही पर्वत पर स्थित हैं। यह विश्व का सबसे बड़ा जैन मंदिर समूह माना जाता है। इन मंदिरों का निर्माण विभिन्न कालखंडों में हुआ, विशेष रूप से 11वीं से 19वीं शताब्दी के बीच। यहाँ तक पहुँचने के लिए लगभग 3800 सीढ़ियाँ चढ़नी पड़ती हैं, जो साधना का अनुभव कराती हैं। इसी प्रकार रणकपुर जैन मंदिर में 1444 स्तंभ हैं, और प्रत्येक स्तंभ की बनावट अलग-अलग है। यह स्थापत्य विज्ञान और कला का अद्भुत संगम है। गुजरात का गिरनार पर्वत जैन तीर्थ अत्यंत प्राचीन और पवित्र स्थल है, जहाँ 22वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ से संबंधित मान्यता है। यहाँ लगभग 9999 सीढ़ियाँ हैं, जो साधना और आत्मअनुशासन का प्रतीक हैं। देशभर में जैन धर्म की ऐतिहासिक धरोहरों में मथुरा का कंकाली टीला विशेष महत्व रखता है। यहाँ से प्राप्त अवशेष पहली शताब्दी ईसा पूर्व से गुप्तकाल तक के हैं। यहाँ जैन स्तूप, आयागपट्ट, मूर्तियाँ और अभिलेख प्राप्त हुए हैं, जो यह सिद्ध करते हैं कि मथुरा प्राचीन काल में जैन धर्म का प्रमुख केंद्र था। उड़ीसा में स्थित उदयगिरि-खंडगिरि गुफाएँ जैन मुनियों की तपस्थली रही हैं। इनका निर्माण दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में राजा खारवेल के समय हुआ था। यहाँ का हाथीगुम्फा अभिलेख ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश के ग्वालियर स्थित गोपाचल पर्वत की जैन प्रतिमाएँ जैन शिल्पकला का भव्य उदाहरण हैं। यहाँ 7वीं से 15वीं शताब्दी के बीच चट्टानों को काटकर विशाल प्रतिमाएँ बनाई गईं, जिनमें कुछ 50 फीट से भी अधिक ऊँची हैं। इसी प्रकार मध्यप्रदेश का सोनागिरि जैन तीर्थ एक प्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र है, जहाँ 100 से अधिक मंदिर स्थित हैं और इसे मोक्षभूमि के रूप में जाना जाता है। इन सभी जैन धरोहरों का समग्र अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि वे यूनेस्को के विश्व धरोहर मानकों के अनुरूप हैं। इनमें ऐतिहासिकता, स्थापत्य उत्कृष्टता, सांस्कृतिक निरंतरता और आध्यात्मिक महत्व जैसे सभी गुण विद्यमान हैं। ये धरोहरें हजारों वर्षों से जीवित परंपरा का हिस्सा हैं, जहाँ आज भी लाखों श्रद्धालु आस्था के साथ आते हैं। भारतीय संदर्भ में जैन धरोहरों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि ये केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि मानवता को नैतिक और आध्यात्मिक संदेश देने वाले केंद्र भी हैं। अहिंसा और संयम जैसे सिद्धांत आज के वैश्विक समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। यदि इन धरोहरों को उचित संरक्षण और वैश्विक पहचान मिले, तो यह न केवल जैन धर्म, बल्कि संपूर्ण मानव सभ्यता के लिए लाभकारी होगा। विश्व धरोहर दिवस हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझें, उसका सम्मान करें और उसे सुरक्षित रखने का संकल्प लें। जैन धरोहरों के माध्यम से हमें यह शिक्षा मिलती है कि सच्ची प्रगति केवल भौतिक विकास में नहीं, बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक उन्नति में निहित है। यदि हम इन धरोहरों को सहेजकर रखेंगे, तो हम अपने अतीत का सम्मान करते हुए भविष्य को सशक्त बना सकेंगे–यही इस दिवस का वास्तविक संदेश है।

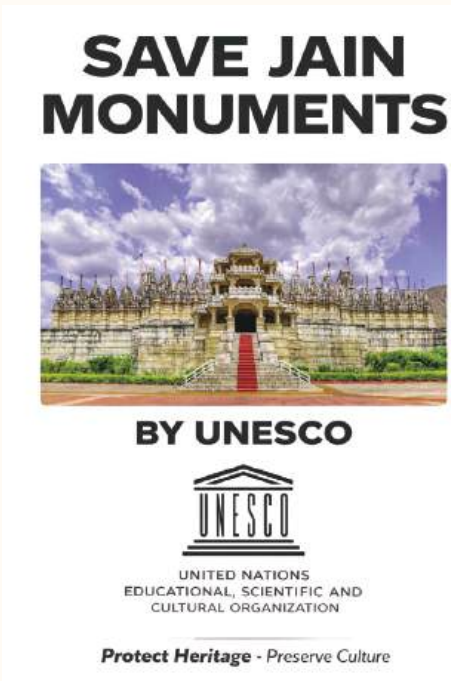

डॉ. यतीश जैन, जबलपुर
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष
निर्ग्रंथ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी, लखनऊ

राजवंश पब्लिक स्कूल में ट्रैफिक नियमों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजवंश पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस के अधिकारी प्रवीण कुमार (पी.के. दत्त) तथा उनके सहयोगी प्रेम सिंह ने बच्चों को ट्रैफिक नियमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सड़क पर सुरक्षित चलने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के महत्व, ट्रैफिक सिग्नलों के पालन तथा दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही, बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की निदेशिका सीता चौहान एवं सचिव अनिमेष चौहान की गरिमामय उपस्थिति रही। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य नवल जैन ने यातायात विभाग से पधारे सभी अधिकारियों का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सफल प्रयास किया गया।

राजनीति

कब पुनः शुरू होगी वरिष्ठ नागरिकों की रेल यात्रा छूट?

निर्मल रानी

मार्च 2020 में जब कोरोना महामारी ने विश्व को अपनी चपेट में लिया, तब संक्रमण रोकने के उद्देश्य से कई अभूतपूर्व और कड़े निर्णय लिए गए। भारत भी उनमें से एक था, जहाँ 24 मार्च 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की। इस दौरान देश की जीवनरेखा कही जाने वाली रेल सेवा सहित सभी यातायात सुविधाएं पूरी तरह ठप्प हो गईं। महामारी का प्रभाव कम होने पर जब 12 मई 2020 से चरणबद्ध तरीके से ट्रेनें दोबारा शुरू हुईं, तो सरकार ने इस 'आपदा में अवसर' तलाशते हुए वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली रेल टिकट की आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया। छूट बंद करते समय सरकार का तर्क था कि यह कदम वरिष्ठ नागरिकों की ''अनावश्यक यात्रा को रोकने'' के लिए उठाया गया है। लेकिन आज जब देश में स्थितियां सामान्य हो चुकी हैं और ट्रेन सेवाएं अपने पूर्ण विस्तार पर हैं, तब भी यह सुविधा बहाल नहीं की गई है। प्रधानमंत्री ने आपदा को अवसर में बदलने का संदेश दिया था, जिसे रेल विभाग ने शायद अक्षरशः स्वीकार कर लिया। कोरोना काल की आड़ में विभाग ने कई ऐसे निर्णय लिए जो यात्रियों की जेब पर भारी पड़े। कई पैसेंजर ट्रेनों को एक्सप्रेस बताकर उनका किराया बढ़ा दिया गया, स्टॉपेज कम कर दिए गए और रूट बदल दिए गए। इनमें से अधिकांश बदलाव आज भी स्थायी रूप से लागू हैं। सवाल यह उठता है कि यदि यह छूट केवल यात्रा कम करने के लिए हटाई गई थी, तो अब इसे पुनः लागू क्यों नहीं किया जा रहा? भारतीय रेलवे पूर्व में छात्र, दिव्यांगजन, स्वतंत्रता सेनानी और युद्ध विधवाओं सहित कुल 53 श्रेणियों में रियायतें देती रही है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह सुविधा 1985 में शुरू हुई थी। अगस्त 2001 से इसे स्वैच्छिक बनाया गया और आयु प्रमाण के साथ देशभर के बुजुर्गों ने करीब 35 वर्षों तक इसका लाभ उठाया। जो सरकार पहले इसे ''अनावश्यक यात्रा रोकने'' का उपाय बता रही थी, वही अब इसे ''वित्तीय बोझ'' करार दे रही है। रेल मंत्री का कहना है कि रेलवे पहले से ही घाटे में है और प्रत्येक यात्री को औसतन 45% सब्सिडी दी जा रही है।

संपादकीय

मौसम का कहर : संकट में अन्नदाता

भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा आज भी खेती-किसानी पर टिका है। विडंबना यह है कि यहां की कृषि मुख्यतः प्रकृति, विशेषकर मानसून पर आधारित है, इसीलिए इसे 'मानसून का जुआ' भी कहा जाता है। मार्च और अप्रैल का समय किसानों के लिए उनके पूरे वर्ष के परिश्रम और आशाओं के साकार होने का होता है, क्योंकि इसी अवधि में रबी फसलें पककर तैयार होती हैं। लेकिन इस बार भी

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। वर्तमान में उत्तर भारत के कई हिस्सों में कुदरत का कहर देखने को मिल रहा है। राजस्थान के हाड़ौती और बीकानेर क्षेत्रों में हुई तेज ओलावृष्टि ने किसानों की कमर तोड़ दी है। यहाँ गेहूं, सरसों और चना जैसी रबी फसलें, जो कटाई के लिए तैयार थीं, अचानक गिरे ओलों की मार से बर्बाद हो गईं। कई स्थानों पर ओलों की मोटी परत ने खेतों को सफेद चादर से ढक दिया, जो किसी प्राकृतिक आपदा से कम नहीं है। इसी प्रकार हरियाणा और पंजाब में भी तेज आंधी-बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया है। फसलें खेतों में बिछ गई हैं और दाने झड़ने से उनकी गुणवत्ता प्रभावित हुई है, जिससे बाजार में उचित दाम न मिलने की आशंका बढ़ गई है। मौसम का यह मिजाज जयपुर से जैसलमेर तक और पंजाब के मालवा-दोआबा क्षेत्रों से लेकर उत्तर प्रदेश के पश्चिमी व पूर्वी जिलों तक देखा गया। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में ओलावृष्टि के साथ बर्फबारी ने बागवानी और फसलों को भारी क्षति पहुंचाई है। जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में भी गरज-चमक और तेज हवाओं ने सामान्य जनजीवन के साथ-साथ कृषि कार्यों को बाधित किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस असामान्य मौसम का मुख्य कारण 'सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ' है, जो बार-बार उत्तर-पश्चिम भारत में अस्थिरता पैदा कर रहा है। दिन-रात पसीना बहाने के बाद जब फसल पकने के अंतिम चरण में हो, तब ऐसी तबाही छोटे और सीमांत किसानों के लिए आर्थिक मृत्युदंड जैसी होती है। यद्यपि सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से राहत के लिए फसल बीमा जैसी योजनाएं शुरू की हैं, फिर भी इनका लाभ हर जरूरतमंद तक पारदर्शी तरीके से पहुंचना आज भी एक बड़ी चुनौती है। गौरतलब है कि बैसाखी का पर्व निकट है, जो गेहूं की कटाई का उत्सव माना जाता है, लेकिन वर्तमान अनिश्चितता ने उत्सव के उल्लास को चिंता में बदल दिया है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो कृषि उत्पादन में कमी आएगी, जिसका सीधा प्रभाव देश की खाद्य सुरक्षा और जीडीपी पर पड़ेगा। इस गंभीर परिस्थिति में केवल मुआवजे से काम नहीं चलेगा; कृषि विशेषज्ञों को ऐसी उन्नत तकनीकों और बीजों का विकास करना चाहिए, जो बदलते मौसम के प्रतिकूल प्रभावों को सह सकें। साथ ही, सरकार को प्रभावित क्षेत्रों में गिरदावरी कराकर त्वरित मुआवजा प्रदान करना चाहिए। अनाज मंडियों में भंडारण की समुचित व्यवस्था भी अनिवार्य है ताकि भीगने से बची हुई उपज सुरक्षित रह सके।

–राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हनक हारी, हौसला जीता

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास की बिसात पर जब अहंकार और आत्मसम्मान का टकराव होता है, तो अक्सर नतीजा बारूद की ताकत नहीं, बल्कि इरादों की मजबूती तय करती है। आज वैश्विक पटल पर जो कुछ घट रहा है, वह डोनाल्ड ट्रम्प की उस तथाकथित 'लौह पुरुष' वाली छवि का विखंडन है, जिसे उन्होंने वर्षों की बयानबाजी से गढ़ा था। ट्रम्प, जो दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने का दावा करते थे, आज खुद अपनी ही बिछाई बिसात पर उलझकर रह गए हैं। यह संघर्ष केवल हथियारों का नहीं, बल्कि रसूख और जज्बात का था, जहां ट्रम्प की धमकियां ईरान के फौलादी संकल्प के सामने बेअसर साबित हुईं। वाशिंगटन के सत्ता गलियारों में आज वह शोर नहीं है, जो कभी ईरान को नेस्तनाबूद करने के दावों से गूंजता था। इसके बजाय, वहाँ एक ऐसी खामोशी है जो किसी बड़ी रणनीतिक हार को स्वीकार करने से पहले छाई रहती है। वर्तमान परिदृश्य में सबसे बड़ी सुगबुगाहट दो सप्ताह के लिए हुए 'युद्धविराम' की है। कहने को तो यह युद्ध की मशीनरी पर लगा एक अस्थायी ब्रेक है, लेकिन हकीकत में यह ट्रम्प और इजरायल की उस हताशा का प्रतीक है, जहां वे समझ चुके हैं कि इस जंग को सीधे तौर पर जीतना अब मुमकिन नहीं है। यह सीजफायर मानवता के लिए उम्मीद की किरण भले हो, लेकिन कूटनीतिक गलियारों में यह एक महाशक्ति की रणनीतिक 'पीछे-हट' है। इजरायल की उन्नत तकनीक भी ईरान के हौसले का काट नहीं ढूंढ पाई। सुपर पावर का यह झुकाव स्पष्ट करता है कि वैश्विक व्यवस्था अब बदल चुकी है। इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ का किरदार सबसे दिलचस्प और रहस्यमयी रहा। ट्रम्प ने अपनी साख बचाने के लिए शाहबाज शरीफ का इस्तेमाल एक रणनीतिक मोहरे की तरह किया। जब दुनिया को लगा कि पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है, तब पर्दे के पीछे ट्रम्प प्रशासन ईरान की उन लगभग सभी शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में आ चुका था, जिन्हें वे कल तक असंभव और अपमानजनक करार देते थे। शाहबाज शरीफ यहां मात्र एक जरिया बने, जबकि असली समझौता तेहरान की शर्तों पर हुआ। ईरान ने अडिग रहकर यह साबित कर दिया कि सत्ता की हनक हमेशा लोक-संकल्प को नहीं कुचल सकती। ट्रम्प के लिए यह समझौता एक मजबूरी बन गया था, क्योंकि वे जानते थे कि ईरान की मिसाइल क्षमताएं अब उनके नियंत्रण और अनुमान से बाहर हो चुकी हैं। शाहबाज शरीफ के माध्यम से दिया गया बयान दरअसल ट्रम्प का वह 'एग्जिट रूट' (निकासी मार्ग) था, जिसने अमेरिका को एक बेहद जटिल और खचीर्ले दलदल से बाहर निकलने का रास्ता दिया। ईरान ने न केवल अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता की रक्षा की, बल्कि यह भी दिखाया कि इजरायल की तकनीकी श्रेष्ठता और अमेरिका के जंगी बेड़े उस संकल्प का मुकाबला नहीं कर सकते, जो अपनी जमीन की अस्मिता से उपजा हो। अमेरिका की आंतरिक राजनीति में भी ट्रम्प इस वक्त बुरी तरह घिर चुके हैं और यह समझौता उनकी गिरती लोकप्रियता को बचाने का एक आखिरी दांव है। इतिहास गवाह रहेगा कि जीत उसकी हुई जो अंत तक मैदान में डटा रहा। कूटनीति के पन्नों में यह दर्ज होगा कि कैसे एक महाशक्ति ने अपनी साख बचाने के लिए 'मध्यस्थता के मुखौटे' का सहारा लिया। ईरान की धरती पर गिरे हर बम ने उसके इरादों को कमजोर करने के बजाय और भी मजबूत किया है। इजरायल, जो कभी अत्यंत आक्रामक था, अब चुप्पी साधे बैठा है।

पांचवां सामूहिक उपवास संकल्प कार्यक्रम आयोजित, बाबा रामदेव ''अंतर्मना पुरस्कार'' से सम्मानित

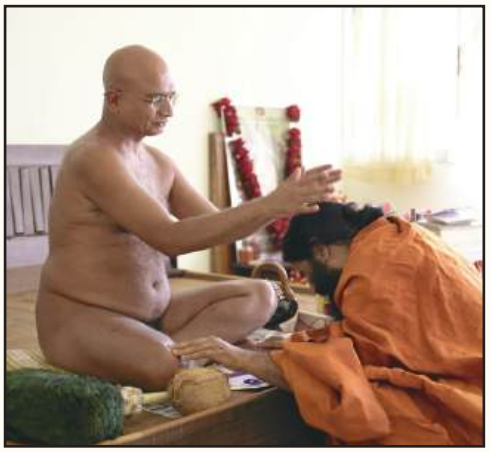

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

शहर के लोधा तालाब के समीप स्थित रॉयल मेसी हॉल में मंगलवार को ''हर माह एक उपवास'' संकल्प के तहत पांचवें सामूहिक उपवास संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज एवं योग गुरु बाबा रामदेव के सानिध्य में सम्पन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वस्थ जीवन और मानसिक दृढ़ता के लिए महीने में एक दिन उपवास रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

बाबा रामदेव ने सोए हुए देश को जगाया: आचार्य प्रसन्न सागर

अंतर्मना पुरस्कारों की घोषणा से पूर्व उपाध्याय मुनि पीयूष सागर ने पुरस्कारों की जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2013 में आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने संस्कार एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु 1200 से अधिक उपवास किए थे, जिसके बाद इस अभियान की शुरूआत हुई। इस अवसर पर आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने योग गुरु बाबा रामदेव को ''अंतर्मना साधना महोदधि पुरस्कार'' से सम्मानित करते हुए कहा कि उन्होंने देश में योग और प्राणायाम के माध्यम से नई चेतना जगाई है। आज हर गली-मोहल्ले और पार्कों में कपालभाति एवं अनुलोम-विलोम की गूंज सुनाई देती है, जिसमें हर आयु वर्ग के लोग शामिल हैं। मुख्य अतिथि वसुंधरा राजे ने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए उपवास अत्यंत आवश्यक है। यदि शरीर स्वस्थ नहीं है, तो जीवन का कोई भी कार्य संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आजकल लोग उपवास के नाम पर सामान्य दिनों से अधिक भोजन कर लेते हैं, जो गलत है। उपवास का उद्देश्य शरीर के साथ-साथ मन की शुद्धि भी होना चाहिए, जो हमें तपस्वी संतों से सीखने को मिलता है।

बाबा रामदेव ने अनुशासन पर दिया जोर

योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि जीवन में तन और मन का अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। एक क्षण भी गलत विचार और एक कण भी गलत आहार शरीर में नहीं जाना चाहिए। उन्होंने सूर्यास्त से पहले भोजन करने की आदत अपनाने पर जोर दिया। राजस्थान के संदर्भ में उन्होंने कहा कि यह भूमि शौर्य, वीरता और धार्मिकता से ओतप्रोत है तथा यहां से उनका आत्मीय संबंध है।

इन गणमान्य व्यक्तियों को मिला अंतर्मना पुरस्कार

कार्यक्रम में देशभर से चयनित व्यक्तियों को सेवा, करुणा, ज्ञान एवं तप-साधना के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। प्रमुख पुरस्कार इस प्रकार हैं।

तपस्वी सम्राट आचार्य सन्मति सागर सेवा पुरस्कार: पूर्व आईएएस दुगार्शंकर मिश्र

आर्थिका सुपार्श्वमति वशिष्ठ पुरस्कार: मीडिया निदेशक सुप्रिय प्रसाद

आर्थिका पवाची करुणा पुरस्कार: कवि डॉ. हरिओम पंवार

अंतर्मना साधना महोदधि पुरस्कार: योग गुरु बाबा रामदेव

सभी सम्मानित व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं 2.51 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई।

कार्यक्रम में गणमान्य लोग रहे उपस्थित

मंच पर प्रसिद्ध रामकथा वाचक कमलेश भाई शास्त्री, महामंडलेश्वर स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती, कलासंत मामा सत्यनारायण मौर्य, मोटिवेशनल स्पीकर उज्ज्वल पाटनी, पर्यावरणविद् प्रवीण नायक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन अंतर्मना धार्मिक परमार्थिक न्यास, पतंजलि योगपीठ एवं फास्टिंग फाउंडेशन (बांसवाड़ा चैप्टर) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजन में सुरेश संघवी, प्रदीप कोठारी, अशोक बोरा, महेंद्र जोरा, शैलेन्द्र दोसी, राकेश सराफ, प्रवीण घोड़ा, पंकज जैन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सामूहिक उपवास अभियान से जुड़ रहीं महिलाएं

कार्यक्रम के अंत में आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के मार्गदर्शन में चल रहे ''हर माह एक उपवास'' अभियान से जुड़ी महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

(सूचना: प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा एवं पियुष कासलीवाल, औरंगाबाद)

आसना स्कूल में शिक्षिका ने भेंट किया ''पिजन बॉक्स''

आसना. शाबाश इंडिया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आसना की शिक्षिका श्रीमती पुष्पा सोलंकी ने अपने पिता स्वर्गीय दिलीप सिंह सोलंकी की पुण्य स्मृति में विद्यालय को ''पिजन बॉक्स'' भेंट किया। प्रधानाचार्य डॉ. महावीर प्रसाद जैन की प्रेरणा से ज्ञान संकल्प पोर्टल के माध्यम से 15,520 रुपये की राशि से यह पिजन बॉक्स विद्यालय को उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही। विद्यालय परिवार की ओर से इस सराहनीय पहल के लिए शिक्षिका श्रीमती पुष्पा सोलंकी का सम्मान कर आभार व्यक्त किया गया।

वाणिज्य महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स का भव्य सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय में कर्तव्यपथ, नई दिल्ली पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेकर लौटे तथा थल सैनिक कैंप, नई दिल्ली के लिए चयनित एनसीसी कैडेट्स के सम्मान में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कैडेट्स की उपलब्धियों का सम्मान करना तथा अन्य विद्यार्थियों को प्रेरित करना रहा। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) एवं आईपीएस अधिकारी राजर्षि राज ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कैडेट्स को जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने, कभी हार न मानने तथा निरंतर परिश्रम को सफलता की कुंजी बताते हुए आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने आत्ममूल्यांकन के महत्व पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि अपनी कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर भवानी शंकर शर्मा ने कैडेट्स की कड़ी मेहनत, अनुशासन एवं उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय के दो कैडेट–सार्जेंट रोहित सैनी एवं कैडेट रोहित कुमावत–का चयन कर्तव्यपथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड के लिए हुआ, जो महाविद्यालय के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। इसके अलावा सार्जेंट निश्चल जैन एवं कैडेट यश शर्मा का चयन थल सैनिक कैंप, नई दिल्ली के लिए होने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की गई। कार्यक्रम का संचालन लेफ्टिनेंट (डॉ.) निशांत स्वामी द्वारा किया गया। अंत में अंडर ऑफिसर अभिषेक गुर्जर ने सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उप-प्राचार्य डॉ. एम.एल. वसीता, डॉ. पी.सी. सैनी, डॉ. मयंक अग्रवाल, डॉ. पिंकी कुमारी, डॉ. पूजा पहाड़िया तथा डॉ. राजेश मीना सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कवि उत्सव जैन को मिला अंतर्राष्ट्रीय "ग्लोबल डायमंड आइकॉन अवार्ड-2026"

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन के अंतर्गत भव्या फाउंडेशन द्वारा ज्ञान विहार यूनिवर्सिटी, जयपुर में आयोजित भव्य समारोह में देश-विदेश की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसी अवसर पर बांसवाड़ा जिले के नौगामा निवासी अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कवि उत्सव जैन को ''ग्लोबल डायमंड आइकॉन अवार्ड-2026'' से सम्मानित किया गया। भव्या फाउंडेशन की निदेशक डॉ. निशा माथुर ने बताया कि कवि उत्सव जैन ने ''पानी बचाओ, पर्यावरण संरक्षण'' विषय पर उत्कृष्ट काव्य पाठ के माध्यम से देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके इसी उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात समाजसेवी एवं उद्यमी अशोक माहेश्वरी (जयपुर) तथा सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता राजीव कुमार (दिल्ली) उपस्थित रहे। इसके अलावा निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग, जयपुर के उपनिदेशक डॉ. जगदीश प्रसाद सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामय उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया। फाउंडेशन के संस्थापक शैलेन्द्र माथुर ने कवि उत्सव जैन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देने का सराहनीय कार्य किया है। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी जयपुर की एंकर सपना ने प्रभावशाली ढंग से किया। अंत में डॉ. निशा माथुर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गरीमा प्रोजेक्ट के तहत बालिकाओं को सेनेटरी नेपकिन वितरित

नशा मुक्ति व पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। ''सबकी सेवा, सबको प्यार'' एवं ''जियो और जीने दो'' के उद्देश्य पर कार्यरत सामाजिक संस्था महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के वीर-वीरा युवा सदस्यों द्वारा 'गरीमा प्रोजेक्ट' के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय सुरजी देवी काबरा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं मासिक धर्म से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही किशोरियों को स्वस्थ रहने, संक्रमण एवं बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक करते हुए 300 सेनेटरी नेपकिन वितरित किए गए। इस अवसर पर ''झिझक छोड़ो, चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो'' का संदेश देते हुए वीरा सुनीता गंगवाल ने बालिकाओं को मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने एवं स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया। संस्था के अध्यक्ष रामावतार गोयल ने नशा मुक्ति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से अनुराधा शर्मा एवं माणक चोटिया उपस्थित रहे। संस्था की ओर से वीर सचिव अजीत पहाड़िया, वीरा अध्यक्ष सरोज पाटनी, युवा अध्यक्ष आनंद सेठी, सचिव विकास नीतू पाटनी, वीर सुरेंद्र सिंह दीपपुरा तथा वीर राहुल झांझरी सहित कई सदस्य मौजूद रहे। अंत में वीर सुभाष पहाड़िया ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ: सरहदों के पार फेलोशिप का पैगाम

कुआलालंपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ की अंतरराष्ट्रीय सिंगापुरझमलेशिया यात्रा अपने पूरे उत्साह के साथ जारी है। क्लब के सदस्यों का दल सफलतापूर्वक मलेशिया की धरती पर पहुँच चुका है, जहाँ उनका स्वागत सांस्कृतिक उल्लास और रोटरी की वैश्विक मित्रता के साथ हुआ।

यात्रा के मुख्य आकर्षण

सांस्कृतिक समन्वय: सिंगापुर और मलेशिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण।
वैश्विक फेलोशिप: स्थानीय रोटरी क्लबों के साथ 'फ्लैग एक्सचेंज' और मैत्री कार्यक्रम।
उद्देश्य: अंतरराष्ट्रीय संबंधों को नई दिशा देना और रोटरी मूल्यों का विस्तार करना।

अध्यक्ष अनिल जैन का संदेश

''रिश्तों की डोर जब सीमाओं से आगे बढ़ती है, तभी सच्ची फेलोशिप बनती है। यह यात्रा हमारे क्लब के लिए गर्व का विषय है और अंतरराष्ट्रीय मैत्री की दिशा में एक बड़ा कदम है।''

फागी में नवकार महामंत्र रथ का भव्य स्वागत, शांति-सद्भाव का दिया संदेश

फागी. शाबाश इंडिया

विश्व नवकार महामंत्र दिवस (9 अप्रैल) के उपलक्ष्य में जन-जन में जागरूकता फैलाने एवं शांति-सद्भाव का संदेश देने के उद्देश्य से जीतो (खक्कड) द्वारा संचालित नवकार महामंत्र जागृति रथ यात्रा मंगलवार शाम फागी कस्बे में पहुंची। रथ के आगमन पर सकल जैन समाज द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यह रथ बूंदी, कोटा, झालावाड़, केकड़ी, मालपुरा, निवाई, पदमपुरा व चाकसू होते हुए फागी पहुंचा। रथ के नगर प्रवेश के साथ ही श्रद्धालुओं ने जयकारों एवं नवकार महामंत्र के घोष के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। रथ यात्रा जैन मोहल्ले स्थित सती चौक पहुंची, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर घर-घर के बाहर नवकार महामंत्र कलश स्थापित कर श्रद्धालुओं ने श्रीफल अर्पित करते हुए आरती की और धर्मलाभ

प्राप्त किया। राजस्थान जैन सभा, शाखा फागी के महामंत्री राजाबाबू गोधा ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य नवकार महामंत्र के प्रति जनचेतना जागृत करना है। उन्होंने जानकारी दी कि जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में 1 मार्च को जयपुर से इस यात्रा का शुभारंभ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा किया गया था। यह रथ प्रदेश के विभिन्न शहरों और कस्बों में लगभग 5000 किलोमीटर की यात्रा कर पुनः जयपुर पहुंचकर संपन्न होगा। कार्यक्रम में बताया गया कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में जहां अशांति और तनाव का माहौल है, वहीं जैन समाज भगवान महावीर के अहिंसा एवं अनेकांतवाद के सिद्धांतों के माध्यम से विश्व शांति का संदेश दे रहा है। 9 अप्रैल को भारत सहित 108 देशों में लगभग 6000 मंदिरों, देरासरों, उपाश्रयों और स्थानकों में एक साथ नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा एवं मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि नवकार महामंत्र जैन धर्म का मूल मंत्र है, जो शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस ऐतिहासिक रूप से सफल रहा था और इस वर्ष इसे और भी व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। कार्यक्रम में समाजसेवी मोहनलाल झंडा, कैलाश कासलीवाल, पंडित संतोष बजाज, पंडित कैलाश कड़ीला, महावीर बजाज, महावीर मोदी, ओमप्रकाश कासलीवाल, पारस चौधरी, राजेंद्र मोदी, सुरेंद्र चौधरी, मुकेश कलवाड़ा, नीरज झंडा, विमल चौधरी, अशोक कुमार गिंदोढ़ी, राजेश छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

युद्ध की विभीषिका पर, विनती करते रोते बच्चे

इंजी. अरुण कुमार जैन

अभी-अभी हम बढ़े हुए हैं, बच्चे जग के कहलाते,
नन्हे-नन्हे पैर हमारे, ढंग से भी न चल पाते।
कभी पार्क में माँ-पापा संग, हम नित खेला करते थे,
हँसते-गाते, मस्ती करते, आगे बढ़ते रहते थे।

तुमने बरसाए नित गोले, रॉकेट, मिसाइलें दागी हैं,
इतनी आग लगाई जग में, धरती नर्क बना दी है।
धुआँ धरा पर और गगन में, जहर भर गया इस जग में,
हँसती-मुस्काती यह बगिया, श्मशान सी सूनी पल भर में।

रो-रोकर हम बिलख रहे हैं, साँसें अटक गईं सबकी,
माँ-पापा भी बिछड़ गए हैं, नहीं सहारा अब कोई।
सपने प्यारे हम सबने भी, परियों संग के देखे थे,
इस दुनिया को सुरभित करने, मन में कुछ मंसूबे थे।

मार-काट, हत्या, प्रहार से, डरे हुए हम सहमे हैं,
किलकारी भरते बच्चे अब, रोते और सिसकते हैं।
ईश्वर, अल्लाह, प्रभु, जिनेश्वर, वाहेगुरु तो हो सबके,
फिर क्यों कुछ सनकी पगलों से, डरे हुए हो प्रभु सबके?

विनती करते रोते बच्चे, इनके प्राण बचा लो तुम,
लाखों मासूमों के मन से, भय-संहार मिटा दो तुम।
शक्तिमान हो! पापी, कपटी, दुष्टों का संहार करो,
जो तेरे प्यारे हैं प्रभु जी, उनका बेड़ा पार करो।

स्वप्निल सा संसार हमारा, सारी खुशियाँ लौटा दो,
प्रेम, नेह, अनुराग, प्रगति की, सुखद बयार यहाँ ला दो।
दरिंदगी जो करते भू पर, उनको सख्त सजा तुम दो,
नाश कराकर सब कुछ उनका, (पर) क्यों बच्चे मरवाते हो?

जार-जार आँसू रोएँगे, उजड़ेगा उनका संसार,
पीर, वेदना दुखद सभी को, दुखद सभी को है संहार।

अखिल भारतवर्ष दिगंबर जैन विद्वत्परिषद् के त्रैवार्षिक चुनाव संपन्न

प्रो. अशोक कुमार जैन सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

अहमदाबाद. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्ष दिगंबर जैन विद्वत्परिषद् (रजिस्टर्ड) के त्रैवार्षिक चुनाव श्री पार्श्वनाथ जैनवाड़ी, हाटकेश्वर (अहमदाबाद) में चुनाव अधिकारी प्राचार्य महेन्द्र कुमार जैन (मुरैना) की देखरेख में गरिमामय एवं सर्वसम्मत वातावरण में सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया में सर्वसम्मति से प्रो. अशोक कुमार जैन (वाराणसी) को पुनः अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। इसके साथ ही संगठन के अन्य पदाधिकारियों का भी चयन किया गया। प्रो. सुरेन्द्र जैन भारती (बुरहानपुर) को उपाध्यक्ष, प्रो. विजय कुमार जैन (नई दिल्ली) को कोषाध्यक्ष तथा विद्वत संजीव कुमार जैन (महरौनी) को महामंत्री बनाया गया। इसी क्रम में डॉ. किरणप्रकाश जैन (सांगानेर) को संयुक्त मंत्री, डॉ. पंकज कुमार जैन शास्त्री (इंदौर) को प्रकाशन मंत्री, विद्वत अमित जैन शास्त्री (जबलपुर) को उपमंत्री तथा डॉ. सुनील कुमार जैन 'संचय' (ललितपुर) को प्रवक्ता पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में प्रो. कमलेश कुमार जैन (जयपुर), ब्र. डॉ. धर्मेंद्र जैन (जयपुर), डॉ. संतोष (सीकर), डॉ. पुलक गोयल (जबलपुर), डॉ. ज्योति जैन (खतौली), विद्वत अशोक शास्त्री (इंदौर), प्राचार्य सतीश जैन (सांगानेर), डॉ. सुमत जैन (उदयपुर), डॉ. सतेन्द्र जैन (जयपुर), डॉ. राजेन्द्र चिंतामणि (नागपुर), डॉ. अरिहंत जैन (मुंबई), विद्वत आकाश जैन (चौरई) एवं विद्वत जितेंद्र जैन (अहमदाबाद) को मनोनीत किया गया। विशेष आमंत्रित सदस्यों में प्राचार्य महेन्द्र जैन (मुरैना), डॉ. प्रदीप (दमोह), डॉ. आशीष जैन (दमोह), विद्वत वैभव मैत्रेय (जालना), डॉ. अरिहंतशरण (बिलासपुर), डॉ. नीलम सराफ (ललितपुर), विद्वत आलोक शास्त्री (बड़ामलहरा/दिल्ली) एवं विद्वत नवीन बाबू जैन (झांसी) को शामिल किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने पूज्य उपाध्याय श्री सुदत्तसागर जी महाराज एवं प्रसन्नमना मुनि श्री प्रणुतसागर जी महाराज से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पार्श्वनाथ जैनवाड़ी, हाटकेश्वर तथा सम्यक ज्ञान प्रभावना समिति द्वारा सभी पदाधिकारियों का भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विद्वत समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और नवगठित कार्यकारिणी से संगठन की गतिविधियों को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की आशा व्यक्त की गई।

जैन मिलन सेंट्रल की नवीन कार्यकारिणी घोषित

पक्षियों के लिए सकोरे और प्याऊ लगाने का लिया निर्णय

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। जैन मिलन सेंट्रल की एक महत्वपूर्ण बैठक गत दिवस स्थानीय जैन भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में नवीन सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई और आगामी सेवा प्रकल्पों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

नवीन कार्यकारिणी का गठन: अध्यक्ष अतुल जैन बंसल और तत्काल पूर्व अध्यक्ष सचिन जैन बारी ने जानकारी दी कि नई टीम में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी अजीत जैन (बीमा) और रिंकेश जैन (कांसल) को सौंपी गई है। मनोज जैन (बहादुरपुर) को मंत्री, जबकि मनीष जैन (परवाह), राकेश जैन (रिंकू मिर्ची) और सतेंद्र जैन (पिरोंठ) को सह-मंत्री नियुक्त किया गया है। कोषाध्यक्ष पद पर सुनील जैन (कोठारी) तथा प्रवक्ता के रूप में सचिन जैन (सर्राफ) व नितिन अमरोद को मनोनीत किया गया है।

संरक्षक मंडल: संस्था के मार्गदर्शन हेतु सुभाष जैन (कैंची बीड़ी), आनंद जैन (गांधी), महेंद्र जैन (कडेसरा), प्रमोद जैन (छाया), राजेंद्र जैन (कोचर), राजेश जैन (तारई), सुबोध जैन (सर्राफ) और जितेंद्र जैन 'शिक्षक' को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया है।

सेवा कार्यों का संकल्प: बैठक के दौरान निवर्तमान कोषाध्यक्ष मनोज जैन ने पिछले सत्र का आय-व्यय ब्यौरा प्रस्तुत किया। आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए सदस्यों ने सर्वसम्मति से पक्षियों के लिए जगह-जगह सकोरे बांधने और आमजन के लिए चल व अचल प्याऊ प्रारंभ करने का निर्णय लिया। बैठक में बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने नई कार्यकारिणी को सफल कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दीं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

कलेक्टर ने किया "प्लास्टिक मुक्त भारत" अभियान के बैनर का विमोचन

डूंगरपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल जोन डूंगरपुर-बांसवाड़ा द्वारा "प्लास्टिक मुक्त भारत" अभियान के अंतर्गत बुधवार को जिला कलेक्टर श्रीमान देशलदान जी के हाथों विशेष बैनर का विमोचन किया गया। यह बैनर संस्था को हाल ही में नाकोड़ा जी (बालोतरा) में आयोजित गवर्निंग काउंसिल मीटिंग में प्राप्त हुआ था। जोन अध्यक्ष पृथ्वीराज जैन ने जिला कलेक्टर को अवगत कराया कि संस्था द्वारा पूरे देश में प्लास्टिक मुक्ति हेतु व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। डूंगरपुर और बांसवाड़ा जिलों में 22 केंद्रों के माध्यम से जन-जागरूकता कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही 'कपड़े की थैली–मेरी सहेली' प्रोजेक्ट के जरिए प्लास्टिक के विकल्पों को बढ़ावा दिया जा रहा है। कलेक्टर महोदय ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए इस अभियान को निरंतर जारी रखने का आह्वान किया ताकि क्षेत्र को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर गवर्निंग काउंसिल सदस्य हर्षवर्धन जैन, प्रोजेक्ट कन्वीनर पद्मेश गांधी, पार्षद सूर्य सिंह राठौड़, भानुप्रताप सेवक, नरेंद्र कुमार आर्य सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व णमोकार दिवस आज

नसिया में होंगे विविध धार्मिक आयोजन

टोंक. शाबाश इंडिया। विश्व णमोकार दिवस के पावन अवसर पर गुरुवार को श्री दिगंबर जैन नसिया में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं राजस्थान जैन सभा, टोंक शाखा के रमेश काला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर प्रातः 8:00 बजे से 9:30 बजे तक श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक रूप से णमोकार मंत्र का जाप एवं पाठ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को णमोकार मंत्र के महत्व, उसकी महिमा तथा आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहकर धर्मलाभ प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत अन्य विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा, जिनके माध्यम से समाज में धर्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

कमलेश-राजीव की जोड़ी रही दूसरे स्थान पर

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान स्टेट मास्टर्स टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2025 के डबल्स वर्ग में बापू नगर निवासी शिक्षाविद् कमलेश बाकलीवाल ने अपने पार्टनर राजीव अग्रवाल के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन तालमेल और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। उनके इस उत्कृष्ट प्रदर्शन की खेल प्रेमियों एवं स्थानीय नागरिकों ने सराहना की। कमलेश बाकलीवाल अब राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पुणे जाएंगी, जहां उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है।

आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने जिनवाणी संवर्धन कार्य को सराहा

जयपुर. शाबाश इंडिया। बापू नगर, जयपुर में संचालित 'जिनवाणी संवर्धन केन्द्र' द्वारा प्राचीन शास्त्रों के संरक्षण और जीर्णोद्धार के कार्यों की वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ ने मुक्तकंठ से सराहना की है। आचार्य श्री ने जिनवाणी के संवर्धन को वर्तमान समय का अत्यंत महत्वपूर्ण और पुण्य कार्य बताया।

प्राचीन पाण्डुलिपियों का अवलोकन

दिगम्बर जैन नसियां भट्टारक जी में आयोजित एक विशेष भेंट के दौरान केंद्र के संयोजक हीरा चन्द बैद ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी एवं मुनि श्री जितेन्द्र सागर जी महाराज को केंद्र की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र में संरक्षित 150 से 200 वर्ष पुरानी दुर्लभ हस्तलिखित धार्मिक पाण्डुलिपियों का अवलोकन भी कराया।

स्वर्ण स्याही और उर्दू में तत्त्वार्थसूत्र

अवलोकन के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (अरक) में पंजीकृत 150 वर्ष प्राचीन वह हस्तलिखित पुस्तक विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसमें सोने की स्याही से निर्मित चित्र उकेरे गए हैं। इसके साथ ही, 150 वर्ष पूर्व लाहौर (पाकिस्तान) से उर्दू भाषा में प्रकाशित 'तत्त्वार्थसूत्र' की प्रति देखकर आचार्य श्री ने अत्यधिक प्रसन्नता व्यक्त की और संयोजक हीरा चन्द बैद को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

दुर्लभ चित्रों की भेंट

हीरा चन्द बैद ने श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में आयोजित भगवान बाहुबली स्वामी के महामस्तकाभिषेक समारोहों (1967-2006) पर आधारित अपनी पुस्तक 'द्रष्टा-दृश्य' आचार्य श्री को भेंट की। इस पुस्तक में हीरा चन्द बैद द्वारा स्वयं खींचे गए चार महामस्तकाभिषेक के दुर्लभ चित्र संकलित हैं। वर्ष 2006 में आचार्य श्री के ही सानिध्य में संपन्न हुए महामस्तकाभिषेक के कुछ विशिष्ट और विस्मयकारी चित्रों को देखकर आचार्य महाराज ने आश्चर्य व हर्ष प्रकट किया।

स्व. नवल किशोर शिवहरे की पुण्यतिथि पर रोटी बैंक के सहयोग से भोजन वितरण

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। स्वर्गीय श्री नवल किशोर जी शिवहरे की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर शिवहरे परिवार और टीम रोटी बैंक के संयुक्त तत्वावधान में एक अनुकरणीय सेवा कार्य आयोजित किया गया। उनके सुपुत्र श्री ऋषि शिवहरे एवं समस्त परिवारजनों ने इस विशेष दिन को मानवता की सेवा के लिए समर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय गणेश मंदिर परिसर में एकत्रित साधु-संतों, असहायों और जरूरतमंदों को ससम्मान भोजन के पैकेट वितरित किए गए। इससे पूर्व परिवार के सदस्यों ने स्वर्गीय नवल किशोर जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उपस्थित जनों ने उनके द्वारा रोपित समाज सेवा के संस्कारों और जीवन मूल्यों को याद किया। इस पुनीत कार्य में श्रीमती अंजना शिवहरे, विशाल, विवेक, श्रेणी, कोशल किशोर और मीना शिवहरे सहित टीम रोटी बैंक के बबलू सिंधी, दीपक चावला, पंकज मेहरोत्रा, शुभम दीक्षित एवं रोमा शर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई। परिवारजनों ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना ही उनके पिता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है, क्योंकि वे सदैव परोपकार के लिए प्रेरित करते थे।

डॉ. तेज सिंह राजावत "राष्ट्रीय अशोक सम्मान" से सम्मानित

ज्योतिष, वास्तु व वैकल्पिक चिकित्सा में उत्कृष्ट योगदान

जयपुर. शाबाश इंडिया। ज्योतिष विज्ञान, एडवांस वास्तु एवं वैकल्पिक चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए जयपुर निवासी प्रख्यात ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ डॉ. तेज सिंह राजावत को ''राष्ट्रीय अशोक सम्मान'' से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान नई दिल्ली स्थित अशोका होटल में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर मिस्र दूतावास के ब्यूरो ऑफ कल्चरल एंड एजुकेशनल रिलेशंस के प्रमुख डॉ. अयात साद अहमद इस्माइल ने डॉ. राजावत को सम्मानित किया। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए गणमान्य अतिथि, शिक्षाविद् एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े प्रतिष्ठित व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति रही। डॉ. तेज सिंह राजावत पिछले कई वर्षों से ज्योतिष, कुंडली विश्लेषण, एडवांस वास्तु समाधान, मंत्र चिकित्सा एवं वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन से अनेक लोगों को मानसिक तनाव, स्वास्थ्य समस्याओं, पारिवारिक कठिनाइयों एवं जीवन की जटिल परिस्थितियों से राहत प्राप्त हुई है। डॉ. राजावत का मानना है कि प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, आयुर्वेद एवं ऊर्जा संतुलन के माध्यम से व्यक्ति के जीवन को स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक बनाया जा सकता है। वे मंत्र चिकित्सा, चक्र हीलिंग तथा आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक उपचार पद्धतियों के माध्यम से लोगों को मानसिक एवं आध्यात्मिक शांति प्रदान करने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। समाज में वैदिक ज्ञान, ज्योतिष विज्ञान एवं वैकल्पिक चिकित्सा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया।

"संसार के अधिकांश जीव आत्मा को नहीं जानते": आचार्य कनकनंदी जी गुरुदेव

डडूका/सागवाड़ा. शाबाश इंडिया

वैज्ञानिक धमार्चार्य कनकनंदी जी गुरुदेव ने कहा कि संसार के अधिकांश जीव आत्मा के वास्तविक स्वरूप को नहीं जान पाते। उन्होंने बताया कि अनंत जन्मों के बावजूद जीव आत्मस्वरूप और सत्य को समझने में असमर्थ रहता है। भिलुड़ा के निकट शिवगौरी आश्रम से आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबीनार में आचार्य श्री ने ''समाधि तंत्र'' के श्लोक 59 एवं 60 की व्याख्या करते हुए कहा कि मूढ़ व्यक्ति ज्ञानी को भी मूढ़ समझता है। जैसे रेत से तेल नहीं निकल सकता, कंकर से खीर नहीं बन सकती और पानी मथने से घी नहीं निकलता, उसी प्रकार मिथ्यादृष्टि व्यक्ति को आत्मज्ञान नहीं रुचता। ऐसे अज्ञानियों को उपदेश देना भी व्यर्थ होता है। उन्होंने कहा कि आत्मा का स्वभाव मौन है। सिद्ध भगवान एक शब्द भी नहीं बोलते, क्योंकि बोलना आत्मस्वभाव नहीं है। मन, मस्तिष्क और इंद्रियां भी आत्मा को नहीं जान सकतीं, वे केवल साधन मात्र हैं। जब तक मन के भाव रहते हैं, तब तक केवलज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं होती। आचार्य श्री ने कहा कि आत्मा की शक्ति अनंत है और मनुष्य को मन के अनुसार नहीं, बल्कि आत्मा के अनुसार चलना चाहिए। जो व्यक्ति आत्मा का चिंतन-मनन नहीं करता और बाह्य वस्तुओं में ही आनंद खोजता है, वह मोहग्रस्त एवं मिथ्यादृष्टि कहलाता है।

उन्होंने वर्तमान समाज पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि द्रव्य शुद्धि से अधिक भाव शुद्धि आवश्यक है, लेकिन आज लोग बाह्य आडंबरों में उलझकर आपसी विवादों में फंस रहे हैं। इससे धर्म की पवित्रता प्रभावित हो रही है। आचार्य श्री ने उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे सूर्य बादलों से ढकने पर प्रकाश नहीं दे पाता, वैसे ही मोह के कारण ज्ञान का प्रकाश भी अवरुद्ध हो जाता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के दुखों और संताप का कारण स्वयं वही है। उन्होंने आगे कहा कि आत्मा में जितना ज्ञान, सुख, वैभव और शक्ति है, उतना किसी अन्य में नहीं है। जो व्यक्ति बाह्य से निवृत्त होकर आत्मा में स्थित होता है, वही सच्चा आनंद प्राप्त करता है। कार्यक्रम में सुविज्ञ सागर जी महाराज ने आचार्य श्री द्वारा रचित कविता के माध्यम से मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की जानकारी विजयलक्ष्मी कमलकुमार गोदावत (एच.ए. ड्रग, सागवाड़ा) द्वारा दी गई।

श्रद्धा और सेवा का संगम

भारत जैन महामंडल की आठवीं दिव्यांग संघ यात्रा संपन्न

मोहनखेड़ा गुरु राजेंद्र धाम सहित पंचतीर्थी के किए दर्शन; भक्ति और सम्मान के साथ पूरा हुआ प्रवास

मुंबई. शाबाश इंडिया

भारत जैन महामंडल दक्षिण मुंबई शाखा द्वारा अध्यक्ष दिपेश जैन के कुशल नेतृत्व में दिव्यांग भाई-बहनों के लिए आयोजित दो दिवसीय यात्रा प्रवास सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी दिव्यांग यात्रियों को महाराष्ट्र के दहाणु स्थित मोहनखेड़ा गुरु राजेंद्र धाम और विभिन्न प्राचीन पंचतीर्थों के दर्शन कराए गए।

धार्मिक अनुष्ठान और मंगल प्रवेश

यात्रा का शुभारंभ खेतवाड़ी से दो बसों द्वारा जिनशासन ध्वज दिखाकर किया गया। यात्रियों ने प्रथम पड़ाव पर लोढ़ा धाम में सीमंधर स्वामी के दर्शन किए। गुरु राजेंद्र धाम पहुँचने पर ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य स्वागत हुआ। प्रवास के दौरान यात्रियों ने धोलवड, बोरडी और कोसबाड पहाड़ पर स्थित मल्लीनाथ भगवान महातीर्थ के दर्शन-वंदन किए। यहाँ के मनमोहक वातावरण और सामूहिक चैत्यवंदन ने सभी दिव्यांग जनों को हर्षित कर दिया। रात्रि में आयोजित भक्ति भावना और गरबा कार्यक्रम में श्रद्धालु गुरु भक्ति के रंग में सराबोर नजर आए।

बहुमान एवं आभार प्रदर्शन

प्रवास के अंतिम दिन आयोजित सम्मान समारोह में शाखा अध्यक्ष दिपेश जैन ने अपनी टीम और दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। इस पुनीत कार्य में सहयोग देने वाले भामाशाह परिवारों–स्व. रमणीक मगनीराम सिंघी और मोहिनी बेन किशोर जैन (पालड़ी) को शाल व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मंगलचंद सेठ के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में ट्रस्टी भरत सोलंकी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। कोषाध्यक्ष जिनेन शाह और सचिव कंचन ललवाणी ने बताया कि सभी दिव्यांग यात्रियों को संघ पूजन के साथ उपहार भी भेंट किए गए। दिव्यांग भाई-बहनों ने इस अभूतपूर्व यात्रा के लिए संस्था के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर ने 14 यात्रियों को ज्योतिर्लिंग व चारधाम यात्रा हेतु दी भावभीनी विदाई

गढ़ी/परतापुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल गढ़ी परतापुर केंद्र द्वारा रैयाना गांव के पाटीदार समाज के 14 यात्रियों को 12 ज्योतिर्लिंग एवं चारधाम की लगभग दो माह से अधिक अवधि की धार्मिक यात्रा के लिए भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में महावीर इंटरनेशनल के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया ने सभी यात्रियों की सुखद यात्रा एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने संस्था द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जीवनरक्षक टैबलेट किट के उपयोग के बारे में भी विस्तार से बताया। इस अवसर पर संस्था की ओर से भरतलाल पाटीदार, लता पाटीदार, डूंगरजी पाटीदार, मंजू पाटीदार, मोहन पाटीदार, केसर पाटीदार, मुकेश पाटीदार, नीमा पाटीदार, रमेश पाटीदार, उर्मिला पाटीदार, जीवनलाल पाटीदार, रमिला पाटीदार एवं अमृत पाटीदार सहित सभी यात्रियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया और शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम का संचालन अजीत कोठिया ने किया, जबकि आभार भरतलाल पाटीदार एवं डूंगरजी पाटीदार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने महावीर इंटरनेशनल द्वारा आयोजित इस सौहार्दपूर्ण कार्यक्रम की सराहना की।

SHRI MAHAVEER DIGAMBER JAIN SHIKSHA PARISHAD
श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

JITO JAIPUR

ONE WORLD, ONE CHANT
TOGETHER FOR PEACE

विश्व
नवकार महामंत्र दिवस

THURSDAY
9 APRIL '26

वात्सल्य वारिधि
पंचम पट्टाचार्य
108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज
के सानिध्य में
ससंघ

महावीर स्कूल प्रांगण

महावीर मार्ग,सी-स्कीम,
जयपुर

विश्व कल्याण के लिए जुड़ें
नवकार महामंत्र का जाप करें

भारत सहित जुड़ेंगे 108 देशों के लाखों लोग

100+ मेगा इवेंट्स

Assembly Time: 8:00 AM

Programme : 8:30 AM - 9:30 AM

आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित है।

उमराव मल संघी	सुनील बख्शी	महेश काला
अध्यक्ष	मानद् मंत्री	कोषाध्यक्ष

एवं समस्त पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यगण

बेटियों को तलवार ओर गोली चलाना सिखाओ, सामर्थ्यवान बनाओ

बहु पढ़ाओ देश बचाओः पंडित प्रदीप मिश्रा

मेडिसिटी ग्राउण्ड में श्री शिव महापुराण कथा आयोजन प्रारंभ, श्रद्धा, आस्था व भक्ति का हो रहा संगम

भीलवाड़ा. कंचन केसरी

मेवाड़ की पावन धरा भीलवाड़ा की भूमि पर पहली बार श्री महाशिवपुराण कथा का श्रवण कराने पहुंचे प्रख्यात कथावाचक ''कुबेर भण्डारी'' पंडित प्रदीप मिश्रा बुधवार दोपहर जब कथा के सूत्रधार संकटमोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबूगिरी महाराज के साथ कथास्थल मेडिसिटी ग्राउण्ड के मंच पर पहुंचे तो विशाल पांडाल ''श्री शिवाय नमस्तुभ्यं'' ओर हर हर महादेव के जयकारों से गूंजायमान हो उठा। शहर के मेडिसिटी ग्राउंड में श्री शिव महापुराण कथा का भव्य शुभारंभ हुआ, जहां पहले ही दिन श्रद्धालुओं का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। पांडाल ''हर-हर महादेव'' और ''श्री शिवाय नमस्तुभ्यं'' के जयघोष से गूंज उठा।

प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कथा के दौरान बेटियों को संस्कारवान के साथ-साथ आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा के साथ आत्मरक्षा के गुर भी सिखाने चाहिए, ताकि वे किसी पर निर्भर न रहें। साथ ही ''बहू पढ़ाओ–देश बचाओ'' का संदेश देते हुए परिवार और समाज में शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। कथा के दौरान मंच से दमादम भोले शंकर, भोले आपकी कृपा से सब काम हो रहा है जैसे भजन गाए गए तो हजारों श्रद्धालु विशेषकर महिला भक्त अपने स्थानों पर खड़ा होकर झूमते रहे। भक्ति से ओतप्रोत श्रद्धालु ऐसे भजनों की रस गंगा में डूबकी लगाते नजर आए।

अतिथियों ने की आरती

कथा के पहले दिन पंडित मिश्रा के कथा श्रवण कराने से पूर्व श्री शिव महापुराण कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष विधायक अशोक कोठारी व समाज सेवी चितवन व्यास (गुड्डू भैया) ने स्वागत किया व विधायक अशोक कोठारी ने उद्बोधन देते हुए कहा कि प्राणी मात्र की पीड़ा प्रभु भक्ति से दूर हो जाती है। ये मानव जीवन अनमोल है जिसे हमे श्रेष्ठ ओर सुंदर बनाने का अवसर ऐसे आयोजन देते है। कथा के प्रारंभ में व्यास पीठ पर विराजित पंडित मिश्रा का अभिनंदन करने वालों में महन्त बाबूगिरी महाराज के साथ हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदास महाराज, हरिशेवाधाम के मायाराम आदि शामिल थे। कथा के दौरान पंडित मिश्रा ने कहा कि हम यहां शिव के भरोसे आए है किसी ओर के नहीं इसलिए हमारे लिए भोलेनाथ ही सबसे कीमती है। अपने सोने चांदी के कीमती आभूषण घर ही छोड़ कर आए। गले में सोने का हार हुआ तो चोर की नजर होगी और गले में रुद्राक्ष हुआ तो शिव की नजर होगी। पहले दिन की कथा विश्राम पर व्यास पीठ की आरती करने वालों में विशिष्ट अतिथि भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशान्त मेवाड़ा, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर,जीतो के वाइस प्रेसिडेंट महावीर सिंह चौधरी एवं जीतो ग्रुप के सदस्य, राजेश संजय बाहेती, आज के जजमान रामप्रसाद बहेडिया, रामजीलाल गुर्जर, राजकुमार हिमांशु नागौरी, कैलाश सोनी, रमेशचंद्र मूंदड़ा, ललित सोमानी परिवार शामिल थे।

सेवा ही सर्वोपरि भक्तिः संत अभयदास महाराज ने गृहस्थों को दिया मानवता का संदेश

भीनमाल. मुकेश सोलंकी। स्थानीय निमगोरिया क्षेत्रपाल मंदिर के पाटोत्सव पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। व्यास पीठ से कथावाचक संत अभयदास महाराज ने सेवा को भक्ति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग बताते हुए कहा कि परिवार और जरूरतमंदों की निष्काम सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गृहस्थ जीवन में अंहकार का त्याग कर उत्तरदायित्वों को निभाना ही परम लक्ष्य है। संत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना सांप से करने वाले राजनीतिक बयानों पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि सनातन मूल्यों और राष्ट्रवाद को समर्पित संगठन के विरुद्ध ऐसी टिप्पणी कुंठित मानसिकता का परिचायक है। इससे पूर्व, तड़के 5 बजे वराहश्याम मंदिर से विशाल प्रभातफेरी निकाली गई, जिसमें भक्ति गीतों पर महिलाएं झूमती नजर आईं। कथा के दौरान भव्य अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विधायक डॉ. समरजीत सिंह, महंत महेंद्रानंद गिरी और माधवदास महाराज सहित अनेक प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. घनश्याम व्यास ने किया। अंत में महाआरती के बाद भक्तों को अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया।

प्रथमाचार्य श्री शांति सागर महामंडल विधान सानंद संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। वात्सल्य वारिधि, पंचम पट्टाचार्य, राष्ट्र गौरव एवं जिनधर्म प्रभावक आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में दिगंबर जैन नसियां भट्टारक जी में बुधवार को प्रथमाचार्य श्री शांति सागर महामंडल विधान का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। यह आयोजन बा. ब्र. अभिषेक भैया 'मनु' (जयपुर) के कुशल प्रतिष्ठाचार्यत्व एवं निर्देशन में संपन्न हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा, जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने जानकारी देते हुए बताया कि विधान में जयपुर नगर गौरव पूज्य मुनि हितेंद्र सागर महाराज का मुख्य मार्गदर्शन एवं सानिध्य प्राप्त हुआ। इस दौरान मुनि श्री के मुखारविंद से विधान के श्लोकों एवं मंत्रों का सुमधुर स्वर में उच्चारण किया गया। इस अवसर पर विराजित आर्यिका संघ ने भी अपने मधुर कंठ से मंत्रोच्चारण कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विधान में सुनील जैन पंसारी-सरोज जैन पंसारी, सुभाष जैन-लक्ष्मी जैन बगड़ा, अशोक जैन-किरण जैन बगड़ा, पारस जैन-अनीता जैन सौगानी, परेश जैन पाटनी, पुष्पा जैन मित्तल, कांता जैन सहित अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से पूजा-अर्चना कर धर्मलाभ एवं पुण्य अर्जित किया।